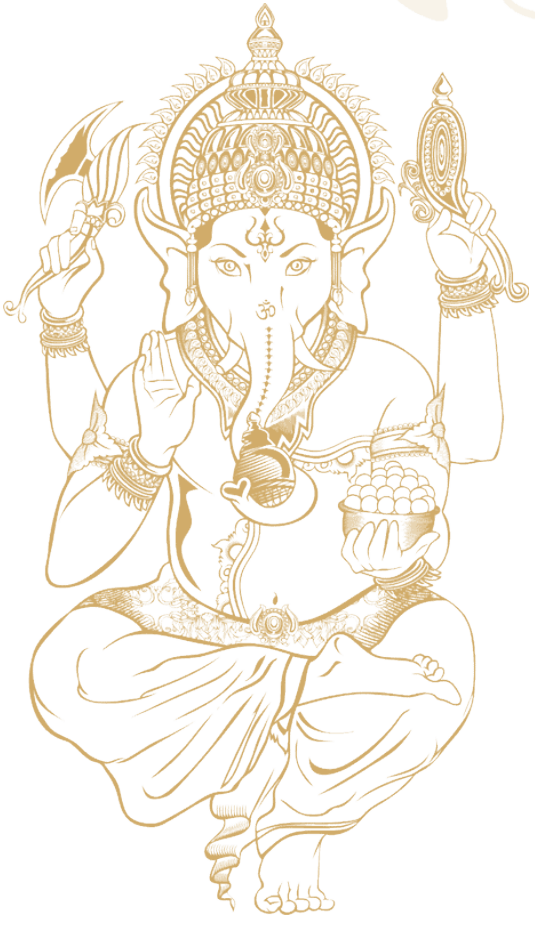

Mr.rohit ku.

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120913002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/06/1991	जन्म तिथि	14/03/1997
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 13:00:24	जन्म समय(घटी)	39:24:57 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Panipat
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:50	सूर्योदय	06:33:36
18:36:53	सूर्यास्त	18:29:35
23:44:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी सूर्य 2वर्ष 8मा 27दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि
राहु	12:03:42	सिंह	लग्न	तुला	13:30:55	राहु
16/03/2011	03:41:26	मिथु	सूर्य	मीन	00:18:34	15/09/2010
16/03/2029	03:54:34	कन्या	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2028
राहु 26/11/2013	20:16:58	कर्क	मंगल व	कन्या	03:59:09	राहु 28/05/2013
गुरु 21/04/2016	06:10:26	मिथु	बुध	मीन	03:12:44	गुरु 22/10/2015
शनि 26/02/2019	18:22:35	कर्क	गुरु	मक	17:52:22	शनि 28/08/2018
बुध 14/09/2021	18:56:41	कर्क	शुक्र	कुंभ	25:32:16	बुध 16/03/2021
केतु 03/10/2022	12:15:02	मक व	शनि	मीन	14:24:21	केतु 04/04/2022
शुक्र 03/10/2025	25:24:04	धनु	राहु	कन्या	04:56:01	शुक्र 04/04/2025
सूर्य 27/08/2026	25:24:04	मिथु	केतु	मीन	04:56:01	सूर्य 26/02/2026
चन्द्र 26/02/2028	18:41:16	धनु व	हर्ष	मक	13:27:11	चन्द्र 28/08/2027
मंगल 16/03/2029	22:08:08	धनु व	नेप	मक	05:30:52	मंगल 15/09/2028
	24:14:16	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	

लग्न-चलित

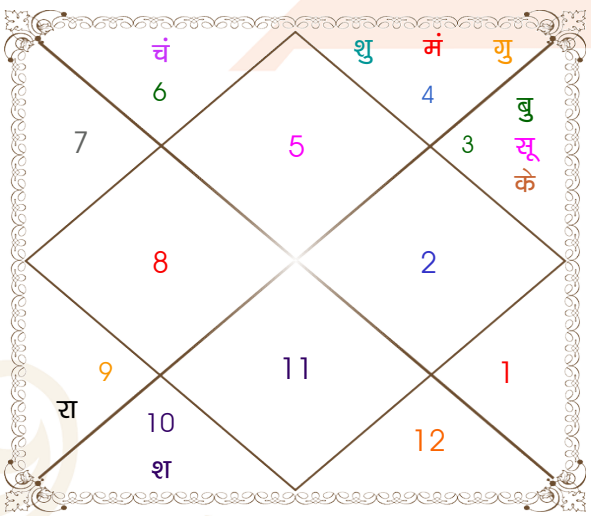

लग्न-चलित

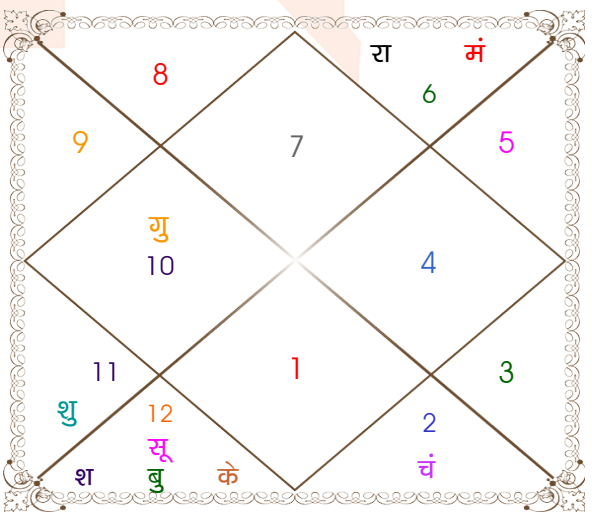

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.rohit ku. का वर्ग मूषक है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rohit ku. और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rohit ku. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.rohit ku. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.rohit ku. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.rohit ku. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.rohit ku. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rohit ku. तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।